

[illegible]

ASHA

590





होयनेमि ग्वन धधर्मया विधान गण्यं चूनधानम्यनड  
द.नमाले धर्कभयाव धीनानायल म्यन आशात्रि  
होयावेतीह नवन्य दहा थोषमासः यापूर्वमासिक  
वगतहोमासमास यापूर्वमासिक वनयाय ग  
यापूर्वावनकाय मासि यावाप्रति नकाय ग  
नेधनपालनयाय यापानदतसायनवनवकाय वन

मदतता कायनवकाय कायमदतमा थवानि वंका  
यनवकाय मिरयाकायमदतसा थम अतानपदे  
लेकाजनायायव नदिवहनप थवल न आधुनम  
कायनायक वनकमहादत्त दिहायव धर्कनान  
लहन आशाविले होयावेतीह वमानया हाव  
मदतमायन आदतया हाव धीनानायल वनविले



इति ध्रुवलस्य षोडशमासया प्रणितिक्रूरवृत्तानं  
सखिपनि धाहावं वृत्तानं सगच्छिष्यापूवास्वनेन  
स्यलायापूषमासिक्रूरसखिपनि धाहावं वृत्तानं  
इति ध्रुवलस्य षोडशमासया प्रणितिक्रूरवृत्तानं  
वृत्तं आया अष्टि धाहावं वृत्तं मन्त्रि  
नमः यावत् महादेव वृत्तं नानापाव वृत्तं नानापाव  
वृत्तं नानापाव वृत्तं नानापाव वृत्तं नानापाव

अष्टविधा वृत्तानं ध्रुवलस्य षोडशमासया प्रणितिक्रूरवृत्तानं  
वृत्तं नानापाव वृत्तं नानापाव वृत्तं नानापाव वृत्तं नानापाव  
वृत्तं नानापाव वृत्तं नानापाव वृत्तं नानापाव वृत्तं नानापाव  
वृत्तं नानापाव वृत्तं नानापाव वृत्तं नानापाव वृत्तं नानापाव  
वृत्तं नानापाव वृत्तं नानापाव वृत्तं नानापाव वृत्तं नानापाव







विनिवृत्तवक्त्रायमननि ध्वननं उव वृश्याक व नि वि श्रा  
कृतं ध्वनी ध्यायां देहांत व वृश्याक विद्यावं व वृश्यानधी  
महादेवयार्गिणां ताले व काले ॥ अ क थि ता दि व स क क  
था (थ पार्वती कन्या दान वि य धून का व या वृती न श्री म  
हादे व यार्गि अथि त मा ध्या ल व काले ॥ अ न न द य रु वि  
अर्ग ध्वनन स्या वृती न श्री महादेवयार्गि वृती न काले ता प

नमः श्वन उव कल था व पुनूष नाथ नि मि ति वि अ नू ग  
वृत्त या य धू ना ध्वन लि वृत्त न रु नि उ न चू न था व स्वा मि ना  
हा ध्वन न उ न ध्वन रु मा ल गा न त म जि व ध्वनी ध्याया व  
अस्य फल वि वा हा व हा र्ग हा अ ग्य फ ध्वन रु य थ न भा यि  
व ध्वन न चू न म य म लु ल वी हा व स स इ वि श लं ध्व  
नी या र्गि उा क्क वी रु ना (थ मा ल ध्वनी अ हा द य का व



ये द्वेहीनक्षत्रं साञ्जस्य कृष्णं च धर्म्यां विधननि  
दक्ष्यं धीषमासयाष्टमासिकं द्रुवतद्धनं गगनचि  
त्वायुवाधनकाय गगनचिद्राज्युधितदयकाव माद्य  
माष्टमासिकं द्रुवतयाय गगनचिद्राज्युधितन धमपान  
नयोर्यं चोवीअथिगमदतसापूनयं लवकाय म  
दतसाथवकायलन काय कलयैमदतसा वाचका

यनवहाय वाचकायैमदतसा मनतच्छात्रायवकडा  
शुलि कामनायावाव नदिवहनपेक्षाय धवलेस ध्वरा  
नयनडाहलि दयिव॥ धनतय मलुनवहाव के  
हावताप्यव धके पावोतस्यन आह्लादयकाव अ  
ष्टयकजिषिन धीमहादव पावोतीनमस्कात्रयाहाव  
पथावीस अर्थकजिषिक्हाविजार्न॥ चन्द्रजातिन



मन या वाक्कनस सुख इतिदव धर्कधायार् (मं  
वानि निस्थन धर्म होम हायू नूष धन गल सस मस  
ला के सुषि ॥ धन गल वाक्कन सचा ६ मय मय वृक्की इव  
मूनि इ४ खिध कंधाया ॥ अ मय क ज ष वा ६ य हा व  
हा व कु ले धवल स ज मय क ज षिन स न न ॥ मय  
वा म्हा न धर्म होम हायू नूष च्छ नि मिहिन ज स न ता धर्क

धायार् अ मय क ज षिन धर्म होम हायू नूष च्छ नि मिहिन ज स न ता धर्क  
ज न धर्म र्वे क न्यया ६ वया धायार् (मं मय इथ व च्छ नि  
षि हा व या व अ मय क ज षिन म क्का न या हा व न मय  
व क्का ले हा ज षि मय न ज न हा हा न रवाया च्छ न या  
न द हा नि या य द व धन न मय च्छ नि मिहिन ज स न ता धर्क  
हा व या य माल धर्क धायार् हा व ज षिन धर्म होम हायू







कनकानपात थम सवि सुक लीन न यो द्या या वा वि हान रा  
मयाव वयद का सने ॥ ध वेल स गुरु स च्छ मा म इ धा या व अ  
शि हवन न थम वा का क दित या क स क ड निव के य ५००  
गी धा व स्व गे लि हा वि शान ध वेल स गुरु स य शन का म वि  
या व यन क का व थ व कु वल ध वेल स अ वि म द या व ध  
गल ल च प ने ग वि ध अ रा गी नी ऊ था धि रु व र क क का धा वा

कल पा गे य ल वि य म ना क ध र क न ना या का व थान ॥ ध व  
ल स धी व मा स या धु ली सि व या व थ व गुरु या समी व र वा अ  
मी सा वा का व व न द न थ थ व न द न द न ध क क नि सी गी  
वि य पा पू वा ख न क्री नी ॥ ध न नि मा य मा स या धु ली सि व या व स  
तु च्छि या या अ धि न धु का व स न वि अ धि न थ व र ग या व  
या पा अ धि न ड ड म का न हि का व धा हान हान द य के धा



या ताव शिव का मया तं शिव पाव वरुयाय थय स त ल थ  
नया म हा द व पाव न थय व न पाव सन न ड मा म रु थ व हा  
न पाव अन क व सु प य का व व रु या ग ॥ थ थे वा ता व म न रा  
न पाव का ल हा य न म थ न च न पा न स्या न का य न व न  
डा श या थान स्वय द य क पु स न श य मा व ध क व न म थि  
न स्या न स अ य वि या व ध न ध व ल स व रु ध य व स्वा

न यि वि थि वि या ता व थ व न न य अ थि न मा थ क ता व या  
न न य ॥ ॥ थ थे वा ता व ल स का य न व ना ड ड थे वा  
व मा म न का य या र वा न स्व या व थ थ न न मा न या न  
वा न डा व ल स का य न व ना ड ड न धा न हा मा म ड वु ड  
स वु स स्वान ध या स या न व व रु मा हा ध क का या व मा म  
शन धा न य व रे व पु ता च व य ता ल ध क ड न अ स या या



हावः ॥ अथ धर्मदं हाः ॥ अथा (ध) धू नखात्र सयदना  
धधर्मदं न हा गाला गालनं मरिव धर्कं अथा व थमन  
या ॥ साध कायनं कनी थथ वाय यहन च हाव  
संनिकरु माभन काययार्तं खनि व गा मियाव नवनाडा इ  
गम नवस सानयाग वल्लो न धून काव भय ॥ अथा वय  
धम ॥ अथा नं हा पया न धवल स माभ नया हा वनया

हल ॥ अथा का नन धी म हा द द पाव्व नी विहा हाव थजा  
यया हा हा वल्लो लाया न वनय सा द विने हा वल्लो च  
दुडा नि न गल स ना जा इय मो ल धर्क वल्लो सा द वि  
स्व ग्री लि हा वि अर्गे ॥ धवल स थ वल्लो लाया अर्गे हर्ष मा  
नया हा व महा क अ व न या हा व वल्लो न तिया व थ वल्लो  
लि हा व धवल स मान न वि स या व वा द वल्लो स का



यत्नवरुं कालं खवनामख ताशानयाव वा कया यम  
रुते महान् जवनकया हवले धनन ऊतद हा धर्म याव  
नन न जवनक शवध के मामन मायावधाने काय धे  
पुन मामन धर्मे हावना चुन जवनक या हवव रव हाव ज  
अतिरुषमान शया धर्मे धयाव कायन धर्मे हा मा म इ  
चुन ध हावत या हलन थका धयाव चु इ हा याव ते इ

याव मामन यं धयाव सवन आदिन दय काव अति  
तमा धया पा कायल वहा ल धन नव वा ऊशन धर्मे हा  
हि मात क च ह आगिन गल स ऊतमान यनि ऊन नि वाव  
याव वन न वना धर्मे धयाव मामन न व धर्मे धयाव  
याव वा धर्मे धयाव धव ऊतमान यनि दही विवान  
याव धावले स ऊतमान यनि स्यत चुन स वा ध



लक्ष्मणविक्रमशत्रुध्वं न समायाव दन्ति ॥ अदि  
यैविनी ध्ववाक्कलचानध्वं ॥ लक्ष्मणमान चन्द्रातिन  
गलसद्व्यागश्वध्वनिमिलिन ध्वं दंष्ट्रा लक्ष्मण  
यति स्यनध्वं चन्द्रातिनगलस नाजामुखा ध्वने राजा  
साधनतनध्वं यत्र दंष्ट्राया राजाया कायवनि चन्द्रमाला  
नक्खायाव हिहहिहवक्त्र नित्याव नित्याव नित्याव

लक्ष्मणचानध्वं लक्ष्मणवक्त्रवक्त्रध्वं ध्वं ध्वं ध्वं ध्वं  
श्वेवाक्कलचध्वं ध्वं ध्वं ध्वं ध्वं ध्वं ध्वं ध्वं ध्वं  
वक्त्रध्वं ॥ ध्वं ध्वं ध्वं ध्वं ध्वं ध्वं ध्वं ध्वं ध्वं ध्वं  
ध्वं ध्वं ध्वं ध्वं ध्वं ध्वं ध्वं ध्वं ध्वं ध्वं ध्वं  
ध्वं ध्वं ध्वं ध्वं ध्वं ध्वं ध्वं ध्वं ध्वं ध्वं ध्वं  
ध्वं ध्वं ध्वं ध्वं ध्वं ध्वं ध्वं ध्वं ध्वं ध्वं ध्वं  
ध्वं ध्वं ध्वं ध्वं ध्वं ध्वं ध्वं ध्वं ध्वं ध्वं ध्वं







धनं हापनमस्यन चूनयावसप्रसालन धनदत्ता आवसं  
नानमद स्थाचचुक्रस्थानं बर्कधायान पनमस्यनस्यनधा  
नं हावोक्रल थनितय्यद्र यूजावसयाव सदाया धेवाणी  
स पूजायाव धवलसरुनतिमाव यथावर्येययाव निव  
चूनवंभयाव रुत थवचूर्यराव वागानेयुतकायाव  
धनयाव रुग्युतनथायाव यद्रुक्रस्तव बर्कधनमस्यनस्य

आद्रादयका धे यद्रुक्रद्रु सदाया धे सवाव हा वन  
मस्यल पूजायाव वाव वल स रुनतिमाचुक्र वयाव  
रुगासनं यनमस्यनस्यनकदा धे वागकायाव वंभयावरु  
ल रुनतिमानसखिरा हाव विनं यनमस्यनननक्रानया हाव  
चूरुयाव वागचूरुग्युतनपूयाव तल ॥ ॥ धनयद्रुक्र  
क्र वागहागावसानहाम् महासूक्तनीक न्याश्याव धान ॥



धन विपनिम इति (थं) यद्गु कद्गु व्यधुं या डिमनद्गु कद्गु  
नाम कर्तुयादा (ग) गाना न विना (म) मयि रक्षाय धर्क नाम द्गु  
या दग कर्म या यधून काव र्गनी ॥ ॥ धन लि जा नो र्ग  
याव कन्या दान विद्य वेरु इली ॥ द्गु द्गु या कृत स ॥ धन धुं या क  
स गंगती गे स वेरु व लिव स म्मा द्गु कृत न डिने द्गु गि द्गु धा  
ले द्गु का वी द्गु या र्ग दान वि ली ॥ ध (ध) दान या क भा याव स्वर्ग

सु ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥  
 के लो यो निव द्वा व द्वा व श्रीमहादेव या के लो ले ॥ राय नः  
 भ ॐ न श्रीमहादेव ॥ मत्त लो क स हो व स म्मा नि म हा क ल  
 दिन या हो दाना च १००० क्षा न दान या हो गी क्षा नी ल स र्व द्वा व  
 धन ॐ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ उपाय या द य स न्न इय मान  
 धर्क ॐ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीमहादेव स्य त आ ह्व द न



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ यमखाधकै धामने ॥ चक्रयादिनसंयागारुस  
या हाव ॥ श्री महादेव स्यन ॥ धनितसत्तावा क्रियायां कतिर्या ॥ हान  
वडा ॥ चक्रस्य मति काकु तमड ॥ धनया गारुस ॥ दाव वग्या महा  
व आसव ॥ हाव निहाव नैरुनी ॥ धवलस ॥ गमस ॥ यि ॥ हत ॥ रि का ॥ त  
व ॥ हाव ॥ धया गा ॥ रि काम का ॥ सा ॥ हाव ॥ काधन भार ॥ आव  
निना ॥ चक्र ॥ र्या ॥ चक्र ॥ धकै धामाव ॥ गाय विनी ॥ चक्र ॥ यद दव ॥ व ॥ म

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ यमाल ॥ धि वा हावून काव ॥ चक्रन मा मंद वं ॥ सुथ  
इय माल ॥ धि ॥ गाय विनी ॥ व गा थली ॥ धट की नन मा म ॥ शया ॥ हाव न  
ख स्य धाव ॥ धन मा म ॥ ह हा स नै व या व ॥ रि का ॥ निहाव ॥ हा रि का नि  
चु न ॥ चक्र निमि ॥ रि न ॥ ऊ ॥ आव ॥ गाय विनी ॥ धया ॥ हाव ॥ रि का नि न  
धाव ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ यमाल ॥ धि वा हावून काव ॥ चक्रन मा मंद वं ॥ सुथ  
व ॥ रि का नि निहाव नै ॥ ॥ धन निव ॥ वा क्र न न ॥ म्हा



वक्तुं दानं विययातं विवाहायाय नमिहितं यत्र दानं  
सक्तिं विमानवद नृयकं मरुयाव लिहावल दास्यं ली  
सागिदं न माविद्वल खेवाव वादहन नदधुध वाव सति  
वद्वलीन युनूष हर्तं आभा सुयाव वादहयाधनं वाद्व  
न नक्षनं खत खेध हनूय क म उयाव थ वा हयाध क  
कं वा सगीव कल धनं थ थ द या थ सु याय वा दह  
नि

न लाकन हासयायित क्रय द दव आथ व क्रस द दन व  
द्वी वाव ग थ विवा हायाव क रुना च्छा उमस्व क्रस नम  
नाव ला ल हाव थ सिनूव अनि नु सात न म च्छा ना रुध  
कं वाया द हाव वा द्वलीन धनं कयाय सा न न आया न  
म ड दया वृ व उ त म या रु ल रुना ध क धनं थ न जाति  
कं वा हाव (म म यि रु क न्या दान वि य ध कं दि न स्व व का







शना ॥ धन व्यच्युया ॥ धिस नव कु कु वा क्रल याम झति धेन  
म कलुया जा ॥ धया नाम नव ना ज श ध के ॥ नाम च्छ स्यातया ॥ धम  
यन नान नव धेया ववव ॥ धवा क्रल वा यार्त जा ना वैया ॥ धिना ह  
मा च वा वतया ॥ धन नि क्रल ल को नु दा सी ॥ पासा याने स्य न व  
वून न मा चा ध के हार्त ॥ ध धे व व म इ मा वा ध के हा र व ल ध के मा  
म इ या के छ हा ॥ हा च्छ म इ अ व वू हा ना व न ध के का न व न  
मा

इ इ न धा र ॥ ख व ख व पू ना ॥ न क म छ हा ॥ च्छ अ स नि न वा द व  
ल स ॥ ध ना र्थ च्छा ना धी स न या र्त ॥ व य व स न या य मि मि लि त ॥ ति  
या ॥ न व द लि स धे द ॥ मा स इ ॥ अ न द न सा व व इ वा का व  
व रु य ॥ म द न सा क स इ के ड धा नि या द न ॥ धे ध के धा या दि  
हा व ॥ मा स इ न धा र्थ ॥ मा न ल य ता च्छ न ज म ॥ धे धा य च्छ च्छ धा म  
आ न या द वा हा ॥ धन ॥ धा वा द वा व रु या स म्ब ल धि का व व व रु



या इदं मनावनं ॥ धनं रुचा न धाम ॥ सा मात श उ थं वृ  
वनं कुं का य लि हा वि शार का व धान वान ह न ध की धा न ॥  
डा व ल स मा म रं न नि र्वा र व या व थान ॥ मा म श न धा रं व न  
म न ल य ता ध की ग हा व व न म ह स्ये र नि वा व न थ व ल  
स न्य मा श न डा ता न या हा न म स्य स्य थान ॥ ३ ॥ च न  
म स न स ड कृ षं जा प गि या ज न ग श्चा च प नि स क ल्य द व

लोक या के दि स्यं ग या स नि द वी कुं श्री ३ म हा द व या क  
वि ली ग या ॥ ध व ल स ड कृ षं जा प नि न थ व म व स म ध  
न या दा ला मी कुं डा स श्चा च प नि स क ल्य द व ली क या  
क आ व र्णं ड म न ज्ज व न ध य र्णं गा य ध की थ थ स  
म धा व या दा म म सु कृ दि आ दि न ताल मा च का व न र  
ध व ल स य र्णं दि न द्र या व म म सु द वी लो क प नि म्मा न य



निज्जादिन निज्जादिन यो दाव श्री महादेव सतीद्वी थस यान  
ने क्र शक्र निवर्तन मयार्त यज्ञ कू कू समस्त डि वि य नि र्वा  
च आदिन वान कन चूर्ण थय निना ना आले को लन ती याव य  
ज्ञ स लुल स ची न वले ॥ थवल स नान द आ वि न सु न वले श्री  
महादेव सतीद्वी थस कन म दयाद ना न द आ वि के ला स पूनी  
थं दाव सतीद्वी या के काले ॥ हा सतीद्वी चून यान स व वू इ

या जं ह्य म ध यज्ञार्त थयज्ञ जं ह्य न धि का थन न चून यान म  
क ह्य नि जून क न च माला न ति याव समस्त डि वि य नि अ  
दिन वान थन न चून यान शक्र मख दाव जं वया ध की ना न द  
या व च न द दाव सति द्वी अति वय वा मु ह्वा याव मिखां स  
ख वि ह्याव श्री महादेव या के काले हा वा मि स चूर्ण मि मि नि ज  
शक्र मदान थन न जं व न ध की धा या द दाव महादेव न धन



सोहो गीदवी सुमयया आवाव शव मवान सुव नमन व  
ह शवनसा सुव डव अवननवा यिव धर्क धायाव ऊ  
वकु निमिलिन वायिव धर्क ग हाववन मरु स्य ववुरा  
य ऊ धायस व हाव मास व व श न मस्का न या हाव धर्क हाव  
वू इ कु निमिलिन ऊ शक मर्क दा धर्क सती दवीन धाया ऊ  
हाव न कय जायति न धान हाप गा वू शक मर्क दा खवख व

नध वसा चुन येन वम हा इव अवन ग वू न नली चका वरु  
सन क हाव मू ल मालान कखायाव धर्मा गयाव धू ऊ वू  
लिन दयाव रिशुल या चू याव दमन धायाव गध धान  
सा य ऊ सतय न वी अ (म) हा धर्क निमिलिन म वा दा खव  
धर्क धाया द हाव ~~म वी न नवा हाव सती दवी~~  
न धाया नाल वल धर्क स य ऊ धायस उत्या न शन द



वैलसना नदन गालि देव यार्क वेहाव धाने सांगी मरुः  
द्वे चूनया न यार्क न रुप जाय गिन जून क माथन निन  
या हाव सति वीन खाल गाल गल धर्क धाया देहाव  
शीम हाद व का धन याव धव गिन स सा ६ ७ ८ चूयू च गह  
हाव वस वा हाव वील रुद्र जाय यार्क याव धाने सा  
पर म धन चूनया न स्यन चूयू हाय का धर्क धाया ६

हाव शीम हाद वन आरू दन व रुद्र चून या गान  
गल चून गल गंधर्व आदिन लिच काव द रुप जाय गि  
या यरू धाया स धसन या हाव गा धे माल धर्क धाया ६  
हाव धवल सह ग गान न विच काव या गिनी ग धन वी  
च काव वील रुद्र न यरू धसन या हा धवल स स्व स्य धीन  
कतर्क आदिन सा क ता क हाव यरू स दाल द रुप जाय



गिया मान धाव यत्न स दाल खान मा उचु याव तल  
यत्न धसनया यत्न काव श्री महादेव या कलि सन री हा  
व वन पमाद नी याव विल रुद्र लि हा वि शार्त धवल स यत्न  
धयस श्री महादेव विद्या हाव मृत्क शयाव धी श्व सगी देव  
कायाव हा सगी देवी हा सगी देवी धव स सगी याव अग्नि  
इश्वर कछ धन नयाव हाय डायार धी सिक के लू क नि चि य

व डाले धध दव र्व हाव दव ला क स न धन यार्ने धू  
स्यन महादेव ध ध धु म म टव अश्वन हा डि नि दाय काव धन  
एच काव कटिन का व धा व ध के धया ध ध धि वा स न ल ले  
कटि ध के ल धवल स महादेव या अग्नि इश्वर शयाव डाले  
ना दे ध स धन या हाव वि शार्त धवल स सगी देवी ध मान  
न स जाग शर्त धवल स सुनिका कर्म मान क या हाव